



## राष्ट्रीय महत्व के स्मारक

 [drishtiias.com/hindi/printpdf/monuments-of-national-importance](https://drishtiias.com/hindi/printpdf/monuments-of-national-importance)

### संदर्भ

हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India) ने राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों की घोषणा की है।

### घोषित स्मारक

- राजस्थान के अलवर ज़िले में प्राचीन नीमराना की बावड़ी ।
- ओडिशा के बोलनगीर ज़िले के रानीपुर झारियाल में मंदिरों का समूह ।
- उत्तराखंड के पिथौरागढ़ ज़िले में विष्णु मंदिर ।
- नागपुर, महाराष्ट्र में उच्च न्यायालय भवन ।
- आगरा में दो मुगलकालीन स्मारक - आगा खान और हाथी खान की हवेली ।

### उच्च न्यायालय भवन

- नागपुर उच्च न्यायालय भवन को इसकी सुंदर संरचना के कारण पत्थर में कविता (Poem in Stone) कहा जाता है।
- हाईकोर्ट के बाहरी भाग की सबसे विशिष्ट विशेषता गुंबद, भव्य प्रवेश द्वार, दोनों टावर और राजसी सीढ़ी है।

aga kha

इसे वास्तुकार एच.ए.एन. मेड (H.A.N. Medd) द्वारा डिज़ाइन किया गया था। इसके स्तंभों में यूनानी प्रभाव की

प्रमुखता को देखा जा सकता है।

## नीमराना की बावड़ी

---

- नीमराना स्टेपवेल का निर्माण 18वीं शताब्दी में ठाकुर जनक सिंह द्वारा किया गया था।
- इसे स्थानीय भाषा में रानी की बावली के नाम से भी जाना जाता है।
- इस स्टेपवेल के निर्माण का प्राथमिक कारण उस दौरान क्षेत्र में आये अकाल के दौरान रोजगार का सृजन करना था।
- यह राजस्थान के अलवर ज़िले में स्थित है।

## रानीपुर-झारियाल- ओडिशा में मंदिरों का समूह

---

ओडिशा के बोलनगीर ज़िले में रानीपुर झारियाल के पास मंदिरों के एक समूह को राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में घोषित किया गया है।

ranipur



- रानीपुर झारियाल को शास्त्रों में "सोम तीर्थ" के रूप में जाना जाता है।
- यह शैव धर्म, बौद्ध धर्म, वैष्णववाद और तंत्रवाद के धार्मिक विश्वासों का एक संयोजन है।
- यह स्थल चौसठ (64) योगिनी मंदिरों या बिना छतों वाले मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है- जिन्हें हाईपेथ्रल मंदिरों के रूप में जाना जाता है।

## स्रोत- द हिंदू

---